हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, मंगलवार 10 मार्च 2026

11 बरसाती पानी की निकासी के लिए नालों की सफाई शुरू

12 ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में छाए होनहार

खबर संक्षेप

पिछले साल से पांच डिग्री अधिक रहा तापमान

बहादुरगढ़। मार्च माह के दूसरे सप्ताह में ही गर्मी अपने तीखे तेवर दिखा रही है। तापमान लगातार बढ़ रहा है। पिछले साल के मुकाबले इस दफा मार्च माह में गर्मी काफी अधिक है। सोमवार को इलाके में अधिकतम तापमान 36 तो न्यूनतम 19 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि 2025 में 9 मार्च को अधिकतम तापमान 31 डिग्री तो न्यूनतम 15 डिग्री था। यानी इस साल लगभग पांच डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। दोपहर के वक्त तेज धूप अब लोगों का पसीना निकाल रही है। यदि तापमान इसी तेजी से बढ़ता रहा तो आगामी कुछ दिनों में लू के थपेड़े भी परेशान कर सकते हैं। बहरहाल, बढ़ती गर्मी को देखते हुए बाजार में एसी व कूलरों का कारोबार बढ़ने लगा है। घरों व आफिसों में एसी की सर्विस कराई जा रही है।

उपभोक्ताओं के लिए बिजली अदालत आज

झज्जर। मंगलवार को उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा अधीक्षण अभियंता कार्यालय में उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक एवं बिजली अदालत का आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि बिजली उपभोक्ताओं की बिजली चोरी संबंधी शिकायतों को छोड़कर अन्य शिकायतों को सुना जाएगा। इस दौरान बिजली बिल, कनेक्शन और अन्य तकनीकी समस्याओं से जुड़े परिवादों की समीक्षा की जाएगी।

अस्पताल में एक घंटा बत्ती रही गुल, वैकल्पिक इंतजाम नहीं होने से झेली परेशानी

ओपीडी स्लिप के इंतजार में लाइनों में खड़े रहे लोग, मोबाइल की रोशनी में लगे इंजेक्शन

10 बजे से 11 बजकर 8 मिनट तक नहीं आई बिजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

नागरिक अस्पताल में सोमवार को करीब एक घंटे बाधित रही बिजली व्यवस्था के चलते लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। अस्पताल के अधिकांश ओपीडी कक्ष, ओपीडी स्लिप खिड़की सहित गैलरी में लाइट नदारद रही। ऐसे में ओपीडी स्लिप नहीं कट पाई। ओपीडी स्लिप खिड़की पर लोगों की भारी भीड़ जमा रही। आक्रोशित लोगों का कहना रहा कि जब लाइट नहीं तो अधिकारियों व कर्मचारियों को चाहिए कि वे हाथ से ओपीडी कार्ड बनाएं ताकि वे समय पर अपना उपचार करा सकें। लोगों ने बताया कि शनिवार को चिकित्सकों द्वारा ओपीडी का बहिष्कार किया गया था, जिस कारण वे शनिवार को खाली हाथ लौट गए थे। अब वे जब तीसरे दिन यहां पहुंचे हैं तो यहां बिजली गायब है। सोमवार सुबह करीब दस बजे से 11 बजकर 8 मिनट तक बिजली गुल रही।

लाइट व्यवस्था सुचारू रहने के समय चिकित्सकों द्वारा कुछ मरीजों के कार्ड पर इंजेक्शन भी लिखे गए थे। प्रभावित बिजली व्यवस्था का आलम ये रहा कि टीकाकरण कक्ष में बिजली गुल होने के चलते संबंधित कर्मियों द्वारा मोबाइल की रोशनी में लोगों को टीके लगाए गए। कर्मचारियों ने कहा कि जिन लोगों के टीके लिखे जा चुके हैं उन्हें तो लगाने ही पड़ेंगे।

झज्जर। लोगों को मोबाइल की रोशनी में इंजेक्शन लगाते हुए स्वास्थ्यकर्मी।

झज्जर। ओपीडी स्लिप न बनने से खिड़की पर लगी लोगों की भीड़।

- ओपीडी स्लिप के लिए केवल कंप्यूटर ही सहारा, अब मैनुअल नहीं बनाते
- मरीजों ने की मांग -24 घंटे रहे लाइट, वैकल्पिक इंतजाम भी हों पुख्ता

पुख्ता इंतजाम हो

मारौत गांव निवासी एक्स सर्विसमैन कपूर सिंह ने बताया कि उनकी कमर व शरीर के जोड़ों में दर्द रहता है। इसलिए वे यहां मेडिकल में जांच कराने पहुंचे हैं। वे करीब आठ बजे घर से चले थे। इसके बाद जब वे यहां ओपीडी खिड़की पर पहुंचे तो उनका चौथा नंबर था। ऐसे में लाइट चली गई। इसके बाद जब उनके पांव दर्द करने लगे तो उन्होंने अपने पुत्र को लाइन में खड़ा कर दिया है। लाइट को गए पौने घंटे से अधिक का समय बीत चुका है। अस्पताल में पूर्व सैनिकों के लिए भी कोई विशेष सुविधा नहीं है। बिजली जाने पर पुख्ता वैकल्पिक इंतजाम होने चाहिए।

गर्भवती महिलाओं को भी उठानी पड़ी दिक्कत

मातनहेल गांव से अपनी गर्भवती पत्नी का उपचार कराने पहुंचे राजू ने बताया कि लाइट जाने के कारण काफी परेशानी आ रही है। उनकी पत्नी गर्भवती है। वह करीब घंटाभर से लाइन में लगी अपनी बारी का इंतजार कर रही है। महिलाओं की लाइन होने के कारण वह खुद भी उस लाइन में नहीं लग सकता। यहां पुरुषों की लाइन अधिक लंबी है जबकि उसकी पत्नी के आगे चंद महिलाएं हैं। ऐसे में यदि लाइट आ जाए तो उनका नंबर जल्दी आ सकता है।

लाइट आने के बाद व्यवस्था चली सुचारू

एसएमओ डॉक्टर गुरजीत सिंद्धू ने बताया कि बिजली व्यवस्था बाधित होने के कारण कुछ देर के लिए लोगों को परेशानी करना पड़ा था। लेकिन लाइट आने के बाद व्यवस्था सुचारू कर दी गई थीं। ओपीडी में पहुंचे सभी लोगों की समय पर जांच की गई। बाद में लोगों को कोई परेशानी नहीं आने दी गई।

दर्द बढ़ता गया

सुलौधा के बुजुर्ग लाल सिंह ने बताया कि उनकी आंखों में तेज दर्द है। इसलिए वे जांच कराने पहुंचे हैं। एक खिड़की पर कंप्यूटर चल रहा है लेकिन वहां तैनात कर्मचारी को शायद कार्य का ज्ञान नहीं है। क्योंकि वह बार-बार साइड वाली खिड़की पर लाइट के इंतजार में बैठी महिला कर्मचारी से पूछ-पूछ कर ओपीडी स्लिप बना रहा है। ऐसे में लाइन सरकती दिखाई नहीं दे रही। वह थक-हार कर यहां बेंच पर आकर बैठ गए हैं। वहीं, बादली गांव से नेत्र जांच कराने पहुंची उर्मिला ने बताया कि एक घंटे लाइन में खड़े होने से तबीयत और बिगड़ गई। बिजली की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए।

बराणी से बच्चे के अपहरण का मामला

एक और आरोपी काबू 1.12 करोड़ रुपये बरामद

- पांच करोड़ रुपये की फिरौती लेकर बच्चे को छोड़ा था, आरोपी जीजा-साला पहले पकड़े जा चुके

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

झज्जर जिले के गांव बराणी गांव से 9 वर्षीय बालक का अपहरण कर पांच करोड़ रुपये की फिरौती लेने के मामले में एसटीएफ बहादुरगढ़ ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर उसके बंद मकान से फिरौती की रकम में से 1 करोड़ 12 लाख 90 हजार 500 रुपये बरामद किए गए हैं।

एसटीएफ बहादुरगढ़ प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान गोविंद निवासी कंसाला के रूप में हुई है। आरोपी को अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में वारदात के षड्यंत्र में उसकी भूमिका सामने आई है।

गत चार मार्च को होली खेलते समय झज्जर जिले के गांव बराणी से 9 वर्षीय बालक हुनरजीत का स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने अपहरण कर लिया था। आरोपियों ने बच्चे के परिजनों से पांच करोड़ रुपये की फिरौती वसूलने के बाद उसे रोहतक में छोड़ दिया था।

इस मामले में एसटीएफ पहले ही अंतरराष्ट्रीय पैरा जूडो खिलाड़ी मोनू निवासी कंसाला और उसके साले मनीष निवासी बराणी को गिरफ्तार कर चुकी है।

घर में सफाई करते समय करंट लगने से दो महिलाएं झुलसी

बहादुरगढ़। शहर के सैनिक नगर में करंट लगने से दो महिलाएं झुलस गई। उन्हें बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में लाया गया। महिलाओं की पहचान सोनम और रूपम के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार, ये प्रवासी महिलाएं परिवार सहित सैनिक नगर के एक मकान में रहती हैं। सोमवार को ये साफ सफाई कार्य में जुटी थी। इस दौरान जब ये एक पाइप पकड़ने लगी तो वह ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन को छू गई। इससे इन दोनों को करंट का झटका लगा और दोनों की तबीयत बिगड़ गई। आसपास मौजूद लोगों ने राहत कार्य शुरू किया। आनन-फानन में इनको नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इनका उपचार जारी है। दोनों खतरे से बाहर बताई गई हैं।

कच्चा बाबरा रोड पर चोरों की दस्तक

परचून की दुकान का शटर उखाड़ नकदी व सामान चोरी

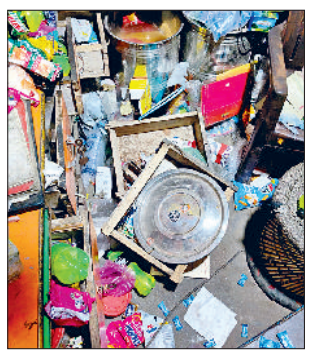

झज्जर। दुकान का उखाड़ा गया शटर व अंदर बिखरा पड़ा सामान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

चोरों द्वारा रविवार रात शहर के कच्चा बाबरा रोड स्थित एक परचून की दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। चोरों ने दुकान का शटर उखाड़कर दुकान में रखे रुपये व सामान चुरा लिया। पुलिस को दी शिकायत में छावनी मोहल्ला निवासी पीड़ित नितिश कुमार ने बताया कि वह सुबह जब अपनी दुकन पर पहुंचा तो उसकी दुकान का शटर उखड़ा हुआ था। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दुकान की स्थिति जायजा लिया तो वहां सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। नितिश कुमार के अनुसार उसकी दुकान में रखे करीब पचास से साठ हजार रुपये चोरी हो गए हैं। इन रुपयों में कुछ नकदी मेरे दोस्त लोकेश की थी। यह राशि वे गाड़ी खरीदने के लिए जमा कर रहे थे। इसके अलावा सिगरेट की कुछ डब्बियां भी चोरी हुई हैं। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

केएमपी पर खड़े ट्रक से कैंटर की टक्कर, चालक की मौत

- ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन खड़ा करने पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

केएमपी एक्सप्रेस-वे पर ट्रक और कैंटर की टक्कर हो गई। हादसे में कैंटर चालक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को शव के पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई। इस संबंध में आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ बादली थाने में केस दर्ज किया गया है। फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

मृतक की पहचान बृजेश कुमार के रूप में हुई है। बृजेश बिहार के मुंगेर जिले का रहने वाला था। पेशे से चालक बृजेश फिहलाल बल्लभगढ़ स्थित एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में कार्यरत था। जानकारी के अनुसार, सात मार्च की देर रात को वह कुरुक्षेत्र से माल लोड कर गुरुग्राम के लिए केएमपी के रास्ते रवाना हुआ। रात करीब दो बजे जब केएमपी टोल पर पहुंचा तो यहां सड़क किनारे एक ट्रक खड़ा हुआ था। अंधेरे के चलते बृजेश का कैंटर उससे टकरा गया। टक्कर लगने से कैंटर का कैबिन बुरी तरह से

क्षतिग्रस्त हुआ। गंभीर चोट लगने के कारण बृजेश की मौत हो गई। उसे नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि कर दी।

सूचना पाकर बादली थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। परिजनों के यहां आने पर उनके बयान लिए और सोमवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई गई। हादसे के लिए परिजनों और ट्रांसपोर्ट कंपनी ने ट्रक चालक को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रांसपोर्ट कंपनी में कार्यरत सुभाष का कहना है कि केएमपी पर ट्रक लापरवाहीपूर्वक खड़ा किया था। न तो इंडिकेटर चालू थे और न ही रिफ्लेक्टर लगे हुए थे। इसी लापरवाही के कारण हादसा हुआ और बृजेश की जान चली गई। उधर, पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

H.D. SR. SEC. SCHOOL
Salhawas (Jhajjar)
2026-27 ADMISSION OPEN

मार्च के पहले 10 दिनों की शानदार उपलब्धियाँ

एक नज़र एच डी साल्हावास के होनहारों की सफलता पर

सीए फाउंडेशन में ऐतिहासिक सफलता

SHAGUN D/o BIJENDER AHRI
KHUSHI D/o MANJEET JHANSWA
BHAWANA D/o DINESH GORIA
VISHAL S/o JITENDER REDHURWAS
CHETAN S/o PARDEEP KOSLI

पाँच विद्यार्थियों ने कठिन CA Foundation परीक्षा क्वालिफाई कर क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया।

XLRI बिज़पिच प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान

विद्यालय द्वारा दोनों विद्यार्थियों को ₹21,000 की सम्मान राशि दी जाएगी।

कार्तिक जाखड़ और मयंक गर्ग ने XLRI यूनिवर्सिटी में आयोजित राष्ट्रीय BizPitch प्रतियोगिता में पूरे देश में दूसरा स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

बॉक्सिंग में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गोल्ड

भूरावास के युवराज जाखड़ पुत्र नित्यानंद जाखड़ ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन किया।

किसान के बेटे का कमाल

UPSC में 191वीं रैंक

साल्हावास के जतिन जाखड़ ने UPSC परीक्षा में ऑल इंडिया 191वीं रैंक हासिल कर यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत और संकल्प से हर सपना साकार हो सकता है

12 मार्च को एच डी साल्हावास में युवराज जाखड़ को ₹21,000 की सम्मान राशि से सम्मानित किया जाएगा।

भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन
एच डी साल्हावास की छात्रा नीरज मोर सुपुत्री श्री जयनारायण मोर (रेढुवास) ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन होकर क्षेत्र व संस्थान का नाम गौरवान्वित किया।

उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम
एच डी साल्हावास में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यक्तित्व विकास और करियर मार्गदर्शन के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियों के लिए तैयार किया जाता है।

11वीं की कोचिंग कक्षाएं 20 मार्च से शुरू

अब झज्जर शहर से भी बस सेवा उपलब्ध है

For Registration 8053182748 | Transport Facility : 9996771677
www.hdsalhawas.co.in | email: hdschool.salhawas@gmail.com

चुनाव | ओमेक्स सिटी हैप्पी होम में रेजिडेंट वेलफेयर एसो. का गठन

सर्वसम्मति से चुने गए सभी पदाधिकारी

कौशिक प्रधान, सेठी सचिव और बंसल बने कोषाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

ओमेक्स सिटी हैप्पी होम में प्रयास आरडब्ल्यूए का कार्यकाल पूरा होने पर नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। अतर सिंह कौशिक को प्रधान, विकास राणा को उप-प्रधान, दीपक सेठी को सचिव, सचिन अरोड़ा को सहसचिव तथा जय भगवान बंसल को कोषाध्यक्ष चुना गया है।

ब्लॉक के अधिकांश फ्लैट मालिकों की उपस्थिति में सभी की सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सभी सदस्यों ने नव निर्वाचित टीम को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी कॉलोनी के विकास तथा निवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए समर्पित भाव से कार्य करेगी। नवगठित समिति ने पूर्व आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों का उनके कार्यकाल के दौरान दिए गए योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए चुनाव अधिकारी एडवोकेट आरएस मान का विशेष रूप से आभार जताया। अतर सिंह कौशिक ने कहा कि वे सोसाइटी की व्यवस्था, साफ-सफाई, सुरक्षा और विकास से जुड़े सभी मुद्दों पर मिलकर कार्य करेंगे और सभी निवासियों के सहयोग से सोसाइटी को बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। सचिव दीपक सेठी शांतिपूर्वक और सर्वसम्मति से चुनाव संपन्न करवाने के लिए सभी सदस्यों का आभार जताया।

बहादुरगढ़। सदस्यों के साथ आरडब्ल्यूए के नवनियुक्त पदाधिकारी।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
10 मार्च 2026

सहेली

दांपत्य का रिश्ता बहुत प्यारा,अनूठा होता है। अगर कोई पुरुष अपनी जीवनसंगिनी में केवल पत्नी को ही देखेगा या स्त्री अपने जीवनसाथी में केवल पति को देखेगी तो रिश्ते में एकरसता आएगी ही। ऐसा न हो, दांपत्य सदैव मधुर और रिश्ता हमेशा प्रगाढ़ बना रहे, इसके लिए जरूरी है कि दोनों आवश्यकतानुसार एक-दूसरे को कभी मां-पिता, कभी फ्रेंड, कभी सहयोगी तो कभी प्रेमी-प्रेमिका होने का एहसास करवाते रहें।

जीवन साथी में उभरती हैं मां-पिता-मित्र-प्रेमी की छवियां

कवर स्टोरी
मेघा राठी

दांपत्य कोई एकरंगी रिश्ता नहीं होता। यह समय, परिस्थिति और भावनात्मक जरूरतों के साथ अपना रूप बदलता रहता है। कभी इसमें मां-पिता जैसा प्रेम-स्नेह उतर आता है, कभी मित्रता की सहजता तो कभी प्रेमी, प्रेमिका जैसा रुमानी आकर्षण। यही अनेक रूप या लचीलापन दांपत्य रिश्ते को जीवित रखता है। पति-पत्नी का रिश्ता जब केवल एक ही रूप में जकड़ जाता है, तब वह बोझिल हो जाता है।

पति-पत्नी के बीच रिश्तों के हों विविध रंगः अनुज और काव्या को देखें। उनकी शादी को बारह वर्ष हो चुके हैं। शुरुआती वर्षों में इनका रिश्ता प्रेम-उत्साह से भरा था, लंबी बातचीत, अचानक बाहर घूमने के प्लान, छोटे-छोटे सरप्राइज। समय के साथ उनकी जिम्मेदारियां बढ़ीं। बच्चे, नौकरी, परिवार, सब कुछ जीवन में आ गया। कभी-कभी अनुज ऑफिस से थककर घर लौटता तो बिना कुछ कहे सोफे पर बैठ जाता, काव्या समझ जाती, बात क्या है। कुछ कहे बिना वह उसके लिए कॉफी बनाकर, उसके पास बैठकर, उसका हाथ थाम लेती या सिर सहला देती। उस पल अनुज को काव्या में अपनी मां की छवि नजर आती, उसे बेहद सुकून महसूस होता। ऐसा भी नहीं कि सिर्फ काव्या ही अनुज का ध्यान रखती थी। कई बार काव्या दिनभर के कामों से थककर चूर हो जाती, तब अनुज रसोई में उसके साथ हाथ बंटाता, बच्चों को पढ़ा देता या घर के दूसरे और काम निपटा देता। प्यार से काव्या के गाल थपथपा कर कहता, 'सब कुछ अकेले मत करो।' उस समय काव्या को अपने पापा याद आ जाते। उसे अनुज के दिए यह अहसास बहुत संबल देते। इसी तरह किसी दिन अनुज-काव्या मित्र बन जाते, खुलकर दोस्तों की तरह बातें करते, हंसते। जब किसी दिन घर में बच्चे ना होते तो दोनों बालकनी में बैठकर चाय पीते, पुराने गीत सुनते, तब वे प्रेमी-प्रेमिका होते, पुरानी यादों के साथ एक दूसरे के साथ छेड़छाड़ करते, रोमांटिक हो जाते। अनुज और काव्या इस बात को जानते थे कि उनका रिश्ता इसलिए गहरा और मजबूत है, क्योंकि उन्होंने अपने रिश्तों को किसी एक ही रूप में रखने की कोशिश नहीं की, उनके रिश्तों में विविध रंग हैं।

पत्नी के स्नेह भाव और ममता से मित्रता तक

पत्नी का स्नेह भाव केवल देखभाल तक सीमित नहीं होता। वह कभी मां सी ममता देती है तो कभी मित्र बनकर पति की बातें सुनती है बिना जज किए, तो कभी प्रेमिका की तरह उसमें आत्मविश्वास जगाती है। यह स्नेह भाव मां के स्नेह का विकल्प नहीं है, उसका परिपक्व रूप है। यहां समझ, संवाद और सीमाएं भी साथ चलती हैं। पत्नी का स्नेह तभी सुंदर रहता है, जब वह अपने अस्तित्व और भावनाओं को खोए बिना दिया जाए।

दंपती तलाशते हैं एक-दूसरे में अपने मां-पिता की छविः हमारा पहला भावनात्मक जुड़ाव अपने मां-पिता से होता है। मां से हमें सुरक्षा, पोषण और बिना शर्त स्वीकार्यता मिलती है, जबकि पिता से दिशा, भरोसा और स्थिरता का अनुभव। यही अनुभव हमारे अवचेतन में गहरे बैठ जाते हैं। जब व्यक्ति वयस्क जीवन में प्रवेश करता है, अपना जीवनसाथी चुनता है तो अनजाने में वह उन्हीं परिचित भावनात्मक अनुभवों को फिर से महसूस करना चाहता है। इसलिए कई बार पति अपनी पत्नी में मां की छवि खोजता है, जो उसे थाम ले, समझे और सुरक्षित महसूस कराए। वहीं पत्नी अपने पति में पिता समान स्थिरता, संरक्षण और भरोसे की अनुभूति ढूंढ़ती है। यह तलाश स्वाभाविक है, क्योंकि मन अपने पुराने सुरक्षित अनुभवों की ओर लौटना चाहता है। समस्या तब होती है, जब यह तलाश हमेशा के लिए एक अपेक्षा बन जाए। पति हर समय पत्नी से मां जैसी ममता की चाहत करे या पत्नी, पति से हर क्षण पिता जैसा संरक्षण चाहे तो दांपत्य जीवन में एक दबाव आ जाएगा। इसलिए एक संतुलन जरूरी है, इससे दांपत्य रिश्ता कभी बोझिल नहीं लगेगा।

पति का स्नेह देता है सुरक्षा, भरोसा और सम्मान भावः दांपत्य में स्नेह केवल पाने का नाम नहीं। पति भी पत्नी के लिए पिता समान सुरक्षा, मित्र समान भरोसा और प्रेमी-समान अपनेपन के भाव देता है। जब वह पत्नी के निर्णयों का सम्मान करता है, उसकी भावनाओं को हल्के में नहीं लेता, उसके सपनों में सहभागी बनता है, ऐसे में उसका स्नेह गहरा और अर्थपूर्ण हो जाता है। पति का स्नेह तब और गहरा, मजबूत हो जाता है, जब वह केवल जिम्मेदारियों तक सीमित न रहे, भावनात्मक रूप से भी उपस्थित रहे। अपनी पत्नी को संबल प्रदान करे।

प्रेमी-प्रेमिका जैसा व्यवहार है दांपत्य की प्राणवायुः देखा यही जाता है कि लंबे वैवाहिक जीवन में सबसे पहले जो खोता जाता है, वह है प्रेमी-प्रेमिका वाला व्यवहार। जबकि सच यह है, यही तत्व दांपत्य को जीवंत बनाए रखता है। एक-दूसरे की तारीफ करना, साथ समय बिताना, हल्की छेड़छाड़, स्पर्श की भाषा और भावनात्मक निकटता, ये सब रिश्ते में ऊर्जा भरते हैं।

जब पति-पत्नी यह मान लेते हैं कि अब प्रेम बनाए रखने के लिए किसी तरह के प्रयास करने की आवश्यकता नहीं है, प्रेम तो हमेशा ऐसा ही रहेगा, तब धीरे-धीरे प्रेम घटने लगता है, दूरी बनने लगती है। प्रेम को भी समय, प्रयास और सजगता चाहिए।

अनजाने में उभरी छवियां ही रिश्ते को बनाती हैं मजबूतः जब पति-पत्नी अनजाने में एक-दूसरे के लिए मां या पिता जैसी भूमिका निभाते रहते हैं, तब रिश्ता भीतर से मजबूत हो जाता है। क्योंकि यह भूमिका मांगी हुई नहीं होती, परिस्थिति से सहज भाव से उपजी होती है। ऐसे क्षणों में अहं नहीं होता, केवल संवेदनशीलता होती है। लेकिन यही छवियां अगर जान-बूझकर खोजी जाएं, जुमले बोले जाएं, 'तुम मेरी मां की तरह क्यों नहीं हो' या 'तुम मेरे पिता जैसे क्यों नहीं हो' तो रिश्ते में तुलना, शिकायत और असंतोष को जन्म देती है, क्योंकि जीवनसाथी माता-पिता का स्थान नहीं ले सकता। इसलिए स्वस्थ दांपत्य में ये छवियां सहज रूप से आती-जाती हैं, इनका आना-जाना ही ज्यादा दांपत्य रिश्ते को खूबसूरत बनाता है।

जरूरी है भूमिकाओं का संतुलनः दांपत्य की सबसे बड़ी खूबसूरती उसकी बहुरूपता है। कभी पति-पत्नी मित्र होते हैं, कभी माता-पिता, कभी प्रेमी-प्रेमिका और कभी केवल सहयात्री। यदि इन भूमिकाओं को लचीलेपन के साथ अपनाया जाए तो रिश्ते कभी बोझ नहीं बनते। एक ही भूमिका की अपेक्षा रखना रिश्ते को सीमित कर देता है। स्नेह तब परिपक्व हो जाता है, जब उसमें बराबरी, संवाद और साझा जिम्मेदारी हो। पति-पत्नी आनंद से तब साथ रह पाते हैं, जब वे एक-दूसरे की परवाह को कर्तव्य नहीं, प्रेम समझते हैं। कभी एक आगे बढ़कर थाम लेता है, कभी दूसरा। कभी प्रेमी बनकर रोमांच रचते हैं, कभी मित्र बनकर हंसते हैं तो कभी माता-पिता जैसी कोमलता में एक-दूसरे को संबल देते हैं। दांपत्य का मनोविज्ञान यही सिखाता है कि ऐसा संतुलन ही इसे प्रगाढ़ और मधुर बनाता है।

घर में भी रहें सजी-संवरी

अधिकतर होममेकर्स घर में रफ-टफ ढंग से रहती हैं। उन्हें मेकओवर करना गैरजरूरी लगता है, जबकि घर में सज-संवर कर रहने से न केवल कॉन्फिडेंस बढ़ता है, आप हैप्पी-एनर्जेटिक भी फील करती हैं।

सेल्फ केयर
चैतन्या

हमारे घरों में होममेकर महिलाओं का रुटीन आमतौर पर नीरस सा होता है। यह केवल जिम्मेदारियों की भागदौड़ के चलते ही नहीं होता। स्वयं की अनदेखी भी इसके पीछे एक बड़ा कारण है। घर तक सिमटकर रहने वाली महिलाएं अपनी संभाल-देखभाल करना ही भूल जाती हैं। सोचने वाली बात है कि तैयार होकर रहने के लिए घर से बाहर जाने की शर्त ही क्यों हो? घर के काम-काज करते हुए भी खुद को सजा-संवरा रखा जा सकता है। इसके कई फायदे हैं।

आत्मविश्वास की सौगातः सेल्फ केयर से आत्मविश्वास बढ़ता है। इसलिए गृहणियां भी अच्छी दिनचर्या बनाकर अपनी केयर के लिए कुछ समय जरूर निकालें। काम-काजी महिलाएं ऑफिस के लिए तैयार होकर निकलती हैं। पर प्रायः होममेकर्स, सुबह से शाम तक खुद को ठीक से आईने में भी नहीं देखतीं। धीरे-धीरे यह रुटीन पूरे व्यक्तित्व को ही नीरस बना देता है। ऐसे में जरूरी है कि घर के कोने-कोने का मेकओवर करने वाली स्त्रियां खुद को न भूलें। सेल्फ केयर को भी तवज्जो दें। सहज ढंग से घर में भी तैयार होकर रहें। बालों को संवारकर रखें। ये सभी बातें आपका आत्मविश्वास तो बढ़ाएंगी ही मानसिक सुकून भी देंगी।

फील करेंगी एक्टिव-एनर्जेटिकः घर की चारदीवारी के भीतर का मोनोटोनस रुटीन, गृहणियों को थके मन और बिखरे से जीवन की ओर ले जाता है। ऐसे में गृहणियों को यह समय रहते समझना होगा कि यह दिनचर्या कोई एक-दो दिन या कुछ महीनों की बात नहीं होती। जब जीवन ही घर-आंगन में बीतना है तो क्यों ना खुद की देखभाल भी रोजमर्रा के रुटीन का हिस्सा हो! अपनी पसंद के मुताबिक सज-संवरकर रहा जाए। अच्छे से तैयार होकर रहना मानसिक रूप से भी ताजगी देता है। अपने ही व्यक्तित्व के प्रति पॉजिटिव फीलिंग बढ़ती है। इसीलिए घरेलू कामों में भी अपनी ड्रेसिंग सेंस पर ध्यान जरूर दें। नियमित अच्छी ड्रेसेस पहनने से आप खुद को एक्टिव भी रख सकेंगी।

बच्चों के व्यक्तित्व पर असरः होममेकर मांओं के लाइफस्टाइल का असर बच्चों के व्यक्तित्व पर भी पड़ता है। आपकी सेल्फ केयर से बच्चे भी ऐसा करना सीखते हैं। खुद का ख्याल रखने वाले बच्चे आत्मविश्वासी बनते हैं। अपनी साज-संवार का ध्यान रखते हैं। निष्क्रिय बनने के बजाय एक्टिव और अलर्ट व्यक्तित्व के धनी बनते हैं। इसीलिए बच्चों की बेहतरी के लिए भी खुद को सभालें।

बच्चे और आप
विधि गोयल

सभी बच्चे एक जैसे नहीं होते हैं। जहां कई बच्चे आसानी से अनजान लोगों के साथ बातचीत कर लेते हैं, अपनी बात कह लेते हैं, वहीं कुछ बच्चे लोगों से बात नहीं कर पाते या झिझकते हैं। ऐसे बच्चों की इस झिझक को आसानी से दूर किया जा सकता है।

बच्चे की वीक कम्युनिकेशन स्किल आसानी से कर सकते हैं इंप्रूव

सभी पैरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चे क्लास में अच्छा परफॉर्म करें, कॉन्फिडेंट बनें, स्कूल, कॉलेज में लीडिंग रोल्स में रहें। लेकिन कुछ बच्चे वीक कम्युनिकेशन स्किल की वजह से दूसरों से बात करने में झिझकते हैं। इससे उन्हें पर्सनल लाइफ ही नहीं बल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी ग्रो करने में परेशानी होती है। तो ऐसे में परेशान होने के बजाय कुछ बातों पर पैरेंट्स को अमल करना चाहिए। आइए जानते हैं कि किस तरह बच्चों में बातचीत यानी कम्युनिकेशन स्किल्स को स्ट्रॉन्ग कर सकते हैं?

स्क्रीन टाइम करें मैनेजः स्मार्ट फोन, टीवी स्क्रीन और ऑनलाइन गेम्स में बच्चों की जरूरत से ज्यादा सक्रियता के चलते भी बच्चे अपनी ही दुनिया में व्यस्त रहते हैं। इस कारण उन्हें अन्य बच्चों और घर में आए मेहमानों से, बाहर लोगों से मेलजोल करने में झिझक होती है। इसलिए बच्चों के अंदर बातचीत या सोशल स्किल्स सिखाने के लिए जरूरी है कि बच्चों का स्क्रीन टाइम मैनेज किया जाए और उन्हें लोगों से मिलना-जुलना, अपनी बात कहना, सिखाया जाए। कम्युनिकेशन सिखाने की शुरुआत के लिए बच्चों के उम्र के ही दूसरे बच्चों को घर में बुलाएं। अपनी उम्र के बच्चों के साथ खेलकर और बातचीत करके बच्चों के लिए घुलना-मिलना आसान हो जाता है। इससे बच्चे की कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर होती हैं।

घर से करें शुरुआतः बच्चों को कुछ भी नया सिखाने से पहले अपने बच्चों को वह जैसा है, उसे स्वीकार करें। पैरेंट्स बच्चे के सामने बार-बार यह न कहें कि ये तो बहुत शर्माता है, किसी से बात नहीं करता तो इससे बच्चे का कॉन्फिडेंस कम होने लगता है। इससे वे बेहतर तरीके से कम्युनिकेशन करना सीख नहीं पाएंगे। अगर कोई बच्चा अनजान लोगों से बात करने में डरता है तो उस डर को एकदम से खत्म नहीं किया जा सकता। बातचीत की शुरुआत खुद और घर के अन्य मेंबर्स से करें। उनकी पसंद की बातें करें, इससे बच्चों के अंदर बात करने का कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और धीरे-धीरे घर से बाहर के लोगों से भी बात करने में उसका डर भी घटेगा।

कर सकते हैं एक्टिंगः पैरेंट्स एक्टिंग वाला कोई प्ले खेल सकते हैं। इसमें आप टीचर, शॉप-कीपर बन सकते हैं और बच्चा स्टूडेंट या खरीददार बन सकता है। ऐसा करने से बच्चे के साथ इंट्रैक्ट करने पर बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और वह दूसरों से बातचीत करने की स्किल भी सीखेगा।

बच्चे को प्रिपेयर करें: अगर घर में गेस्ट आने वाले हैं या आप किसी के घर मेहमान बन कर जाने वाले हों तो बच्चे को पहले से तैयार करें। उसे बताएं कि आपको किसी से मिलना है तो कैसे उन्हें विश करना है, नमस्ते या हाय हैल्लो कहना है? इंट्रोवर्ट बच्चों को अचानक यह समझ नहीं आता है कि उन्हें दूसरों के सामने कैसे बिहेव करना है? इसीलिए बच्चे को पहले से प्रिपेयर करने से बच्चे बातचीत करने में झिझकते नहीं हैं।

खिलौने हो सकते हैं सहायकः छोटे बच्चों को कम्युनिकेशन सिखाने के लिए टॉयज की मदद ली जा सकती है। शुरुआती दौर में बच्चों के पसंदीदा खिलौने को चुनकर बच्चों को बातचीत करना सिखा सकते हैं। इस तरह की बातचीत से बच्चों को खुशी, डर, भय, अकेलापन, दुःख जैसे इमोशंस भी सिखा सकते हैं। टॉय टॉक बच्चों को कम्युनिकेशन सिखाने का एक इफेक्टिव तरीका है। ऐसा करने से बच्चा खेल-खेल में कम्युनिकेशन करना सीख जाता है।

कहानियों के माध्यम से सिखाएंः बच्चों को कहानी सुनना बहुत अच्छा लगता है। कहानी सुनाते समय बच्चे से कहानी के बारे में सवाल-जवाब करें और उन्हें कहानी को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें।

(पैरेंटिंग कंसल्टेंट डॉ. शिल्पा गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

स्किन केयर
नीलोफर

स्किन केयर के लिए परफेक्ट मानी जाती है हल्दी

अपने देश में केवल खाने में ही नहीं बल्कि ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी हल्दी का खूब इस्तेमाल होता है। चेहरे की रंगत निखारने में हल्दी काफी उपयोगी होती है। इसीलिए मैरिज के अवसर पर दूल्हा-दुल्हन के रंग-रूप को निखारने के लिए हल्दी से बने उबटन का उपयोग किया जाता है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं। इसीलिए कई प्रॉब्लम्स में कारगर होती है।

निखार के लिएः हल्दी का चमकीला पीला रंग उसमें मौजूद करक्यूमिन नामक तत्व के कारण होता है। यह त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों और पर्यावरणीय प्रदूषकों से हमें सुरक्षा प्रदान करता है। यह स्किन की डेड सेल्स की मरम्मत करके उसमें निखार लाता है। यही वजह है हल्दी त्वचा की देखभाल के लिए यूजफुल मानी जाती है।

मुंहासों से बचाएः हल्दी में मौजूद करक्यूमिन तत्व मुंहासों से बचाता है। जब हमारी त्वचा के रोमछिद्र, ऑयल, डेड स्किन और बाहरी प्रदूष से बंद हो जाते हैं तो चेहरे पर ब्लैक हेड्स, व्हाइट हेड्स और मुंहासे होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में हल्दी, त्वचा में सीरम के उत्पादन को नियंत्रित करने का काम करती है। यही वजह है कि चेहरे पर हल्दी और बेसन को मिलाकर लगाने से मुंहासों से भी छुटकारा मिलता है।

पिग्मेंटेशन से बचाएः लगातार सूरज की किरणों के संपर्क में रहने से हमारी त्वचा में पिग्मेंटेशन हो सकता है। सूर्य की अल्ट्रावॉयलेट किरणों से अगर सुरक्षा के लिए उपाय न किए जाएं तो त्वचा समय से पहले एजिंग का शिकार होने लगती है। त्वचा पर झुर्रियां पड़ जाती हैं और उसकी चमक खत्म हो जाती है। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन इस नुकसान से लड़ने और फ्री रेडिकल्स को लड़ने में मदद करता है।

लाभकारी है हल्दीः हल्दी में अनेक एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जिससे यह त्वचा को भरपूर पोषण देने के साथ-साथ एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से संपन्न होती है। मुंहासों से बचने के लिए ही नहीं बल्कि मुंहासों के निशानों को मिटाने के लिए भी त्वचा पर इसका इस्तेमाल किया जाता है। स्ट्रेच मार्क, त्वचा में सूजन, त्वचा का बदरंग होना, इन सभी के लिए यह लाभकारी होती है।

पैच टेस्ट जरूर करें: स्किन ब्यूटी को निखारने के लिए हल्दी के अनेक फायदे हैं। इसका सही फायदा लेने के लिए जहां तक संभव हो हल्दी जैविक, प्राकृतिक और मिलावट रहित होना चाहिए। इसलिए जब भी उबटन बनाने के लिए हल्दी का इस्तेमाल किया जाए, उसका पैच टेस्ट फेस से पहले हाथ की स्किन पर जरूर करना चाहिए ताकि सीधे चेहरे की त्वचा पर इसे लगाने से कोई नुकसान न हो।

डाइट एडवाइस
डॉ. माजिद अलीम

अकसर हाथ-पैरों और जोड़ों में दर्द होना, कमजोर दांत-नाखून, हेयर फॉलिंग या पीरियड्स के दौरान दर्द, कैल्शियम की कमी से हो सकता है। अपनी डाइट में सुधार कर शरीर में होने वाली कैल्शियम की कमी को दूर कर सकती हैं।

शरीर में कैल्शियम की कमी को ऐसे करें दूर

कैल्शियम एक ऐसा महत्वपूर्ण खनिज है, जो हमारे दांतों और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह हमारी मांसपेशियों के संकुचन, खून के थक्के जमने के लिए भी जरूरी होता है। अकसर 14 से लेकर 17 साल के आयुवर्ग की लड़कियों में और मेनोपॉज के दौरान महिलाओं में कैल्शियम की कमी देखी जाती है। प्रेग्नेंसी के दौरान यदि मां के शरीर में कैल्शियम की कमी हो तो इससे बच्चें के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर होता है। मानव शरीर कैल्शियम उत्पादित नहीं करता, इसलिए हमें अपने आहार से ही इसे पूरा करना होता है।

इसलिए होती है कमीः महिलाओं में कैल्शियम की कमी का सबसे बड़ा कारण अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही होती है। इसके अलावा खराब जीवनशैली, रेडी टू ईट फूड का सेवन, संतुलित आहार की कमी, खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण भी इसकी कमी देखी जाती है। कैल्शियम युक्त भोज्य पदार्थों की कमी, विटामिन-डी की कमी, मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव, कैल्शियम अवशोषण में बाधा डालने वाली दवाओं के सेवन, डेयरी उत्पादों का कम सेवन जैसी तमाम वजहों से उनमें कैल्शियम की कमी हो जाती है।

कैल्शियम की कमी के लक्षणः कैल्शियम हड्डियों और दांतों की सेहत के लिए जरूरी तो है ही, यह नाखूनों को मजबूती देता है। इसकी कमी से मांसपेशियों में दर्द, थकावट, दिल की धड़कन बढ़ना, पीरियड्स के दौरान अधिक दर्द होना, बालों का झड़ना, त्वचा का सूखापन, नाखूनों का कमजोर होकर बार-बार टूटना, दांतों का कमजोर होना, जोड़ों में दर्द, याद्दाश्त में कमी, नींद में परेशानी, कब्ज, गैस या पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कमी ऐसे करें दूरः शरीर में कैल्शियम की कमी दूर करने के लिए ऐसे आहार का सेवन करें, जो कैल्शियम से भरपूर हों।

पालकः 100 ग्राम पालक में 90 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। पालक को सिर्फ एक मिनट उबालकर सेवन करना चाहिए।

सोयाबीनः 100 ग्राम सोयाबीन में तकरीबन 175 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। सोयाबीन से बना दूध, टोफू, दही भी फायदेमंद है।

रागीः 100 ग्राम रागी में तकरीबन 370 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। रागी के आटे से कई प्रकार के व्यंजन बनाकर इसका सेवन किया जा सकता है।

मेथी के पत्ते-बीजः 100 ग्राम मेथी के पत्तों में 150 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। मेथी के पत्तों का इस्तेमाल करी, दाल, चावल, कर सकते हैं।

खट्टे फलः खट्टे फलों में विटामिन-सी के साथ कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

बादामः प्रति 100 ग्राम बादाम में 264 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। प्रतिदिन पांच भीगे बादाम की गिरि खाली पेट खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और त्वचा कोमल और बाल भी स्वस्थ रहते हैं।

काले चनेः ड़ेढ कप काले चने में 315 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। उबले हुए काले या सफेद चने में औसतन एक बाउल में 80 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

दहीः 100 ग्राम दही में 85 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

चिया सीड्सः 100 ग्राम चिया सीड्स में लगभग 630 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

धूप का सेवनः महिलाओं को अपने शरीर में कैल्शियम की अपूर्ति के लिए कैल्शियमयुक्त आहार की जरूरत के साथ-साथ सुबह की धूप भी सेकना जरूरी है। क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन-डी, कैल्शियम अवशोषण के लिए जरूरी होता है।

दो दिनों में बीकानेर चौक से यादव धर्मशाला चौक तक के नालों की हुई सफाई

बरसाती पानी की निकासी के लिए नाला सफाई का दूसरा चरण शुरू

नालों के ढक्कन हटाकर जेसीबी की सहायता से नालों में अटी गंदगी बाहर निकाली जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

बरसात के दौरान शहर की सड़कों पर फैलने वाले बरसाती पानी की निकासी के लिए नगर परिषद द्वारा नालों की सफाई का कार्य जोर-शोर से किया जा रहा है। पहले चरण में जहां शहर के आंबेडकर चौक, पुराना बस स्टैंड रोड, भगत सिंह चौक, धौड़ चौक व पुराना बर्फखाना रोड क्षेत्र के नालों की सफाई का कार्य किया गया, वहीं अब दूसरे चरण में बीकानेर चौक से सिलानी गेट व छावनी मोहल्ला जाने वाले नालों की सफाई की जा रही है। पिछले दो दिनों से सफाई कर्मचारी नालों की सफाई में जुटे हैं। नालों के ढक्कन हटाकर जेसीबी की सहायता से नालों में अटी गंदगी बाहर निकाली जा रही है। सोमवार को बीकानेर चौक से यादव धर्मशाला चौक तक का सफाई कार्य किया गया। आगामी दिनों में सिलानी गेट, दिल्ली गेट आदि क्षेत्र में नाला सफाई अभियान चलाया जाएगा।

झज्जर। बीकानेर चौक पर कर्मचारियों द्वारा नाले से निकाली गई गंदगी।

सफाई कार्य को लेकर लोगों में खुशी

शहर में इन दिनों चल रहे नाला सफाई कार्य को लेकर लोगों में भी खुशी की लहर है। उन्हें उम्मीद है कि अबकी बार बरसात के मौसम में शहर की सड़कों पर जलभराव की समस्या नहीं होगी। नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने बताया कि शहर का समुचित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। बरसाती दिनों में लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े इसलिए नाला सफाई कार्य किया जा रहा है। नाला सफाई के बाद लोगों को जलभराव की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

यशपाल हिंदुस्तानी ने मंत्री अनिल विज से की मुलाकात

बहादुरगढ़। समाजसेवी यशपाल हिंदुस्तानी ने प्रदेश सरकार के मंत्री अनिल विज से मुलाकात की और प्रदेश में किए जा रहे जनहित के कार्यों की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे आने वाले समय में भी प्रदेश में विकास और जनसेवा के कार्य इसी तरह निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने मंत्री अनिल विज के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना भी की।

जसबीर सैनी ने सफाई व्यवस्था पर उठाए सवाल

बहादुरगढ़। शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने नगर परिषद पर सवाल उठाए हैं। सैनी का कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर शहर में जगह जगह कूड़ा डंपिंग बूथ बनाए गए, लेकिन फिर भी व्यवस्था में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। सफाई के नाम पर हर महीने करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं है। सड़कों और कॉलोनियों में कूड़े के ढेर लगे रहने से लोगों को गंदगी व दुर्गंध झेलनी पड़ रही है।

न्यूज डायरी

दीक्षांत समारोह की तर्ज पर किया उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मानित

झज्जर। एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सोमवार को नर्सरी और यूकेजी के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह की तर्ज पर सम्मानित किया गया। स्कूल प्राचार्य निधि कादियान व प्रबंधक केएम डागर ने बताया कि छोटी सी उम्र में बच्चों को बड़े सपने दिखाकर उनको एक टारगेट दिया जाता है। जिसके अंतर्गत वे लगातार अपनी परफॉर्मेंस में सुधार कर सके। इस मौके पर स्कूल मैनेजमेंट सदस्य जगपाल गलिया, जयदेव दहिया, अनीता गलिया, नीलम दहिया ने विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह की तर्ज पर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एचओडी सपना अहलावत, आर्ट एंड क्राफ्ट टीचर रितिका, मोना व सविता सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

एसडीएम ने समाधान शिविर में सुनीं लोगों की समस्याएं

बेरी। सोमवार को आयोजित उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में एसडीएम रेणुका नांदल ने आमजन की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो शिकायतें दोबारा खुली हैं, उनके कारणों की जांच की जाए और उनका त्वरित निपटान किया जाए। उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष स्वयं ऐसी शिकायतों पर संज्ञान लें और शिकायतकर्ता की संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए समाधान करवाएं, ताकि वही शिकायत दोबारा न खुले। इस दौरान नप सचिव पूजा साहू, एसडीओ राजीव कुमार यादव, जेई प्रवीण कुमार अहलावत, जेई योगेश कुमार सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बेरी में लगेगा अश्व मेला प्रशासन तैयारियों में जुटा

- प्रशासन ने बेरी को पशुओं में फैलने वाली बीमारी से फ्री क्षेत्र किया घोषित

- अश्व मेले का 24 से 26 मार्च तक किया जाएगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

कई वर्षों बाद नवरात्र पर्व के दौरान धर्मनगरी बेरी में विश्व विख्यात अश्व मेले का आयोजन किया जाएगा। इसके चलते जहां अश्व पालकों में खुशी की लहर है, वहीं प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। एसडीएम रेणुका नांदल ने बताया कि इस बार अश्व मेले का आयोजन 24 से 26 मार्च तक किया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। वहीं बीडीपीओ राजाराम ने बताया कि पशु संकामक एवं संसर्गजन्य रोग निवारण एवं रोकथाम अधिनियम, 2009 की धारा 6 की उप-धारा (5) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते पशुओं की बीमारियों से नियंत्रित क्षेत्र को फ्री घोषित किया है। पहले अश्व प्रजाति के पशुओं में ग्लैंडर्स रोग फैलने से नियंत्रित क्षेत्र घोषित किया गया था।

लग्जरी गाड़ियों से भी महंगे घोड़े आते है मेले में

बता दें कि नवरात्र पर्व के दौरान धर्मनगरी बेरी में पशु मेले का भी आयोजन किया जाता है। जिसमें दूर दराज क्षेत्रों से पशुपालक अपने पशुओं को लेकर आते हैं। मेले में इतने महंगे अश्व भी आते हैं, जिनकी कीमत लग्जरी गाड़ियों से भी अधिक होती है। लेकिन पिछले कई वर्षों से ग्लैंडर्स बीमारी के कारण पशु मेला नहीं लगता था। इसके कारण पशुपालकों में रोष भी था। लेकिन अबकी बार एक बार फिर पशु मेले के आयोजन की अनुमति दी गई है।

इसके तहत घोड़े, गधे, खच्चर व अश्व प्रजाति के अन्य पशुओं को किसी अन्य स्थान पर राज्य के अंदर या बाहर आवाजाही व इन पशुओं की दौड़, मेले, प्रदर्शनी, खेल के आयोजन तथा एकत्रित करने की अनुमति प्रदान करता है। फ्री हो जाने से मेले का आयोजन हो सकेगा।

पांच दिन बाद भी छात्राओं का नहीं लगा सुराग

बहादुरगढ़। शहर में संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई सरकारी स्कूल की दो छात्राओं का पांचवें दिन भी कुछ सुराग नहीं लग पाया है। वे कहां हैं और किन परिस्थितियों में है आदि फिलहाल सवाल बने हुए हैं। पुलिस की कई टीमें उनकी तलाश में दबिश दे रही हैं। लेकिन अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है। दोनों छात्राएं शहर के एक राजकीय स्कूल में 11वीं कक्षा में पड़ती हैं। बताते हैं कि वीरवार को दोनों एक साथ स्कूल से निकली। एक को लाइनपार तो तथा दूसरी को पटेल नगर जाना था लेकिन घर नहीं पहुंच सकी। काफी देर तक नहीं पहुंची तो परिजनों ने तलाश शुरू की। वहीं शहर में उनके अपहरण की चर्चाएं भी फैली। इस संबंध में बहादुरगढ़ पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही हैं। दोनों नाबालिक छात्राओं को तलाशने के लिए पुलिस की कई टीमें भागदौड़ कर रही हैं। न केवल बहादुरगढ़ बल्कि दिल्ली व अन्य प्रदेश में भी सर्च अभियान चलाया जा चुका है।

बहरहाल, पांचवें दिन भी स्थिति जस की तस है। परिजन तो परेशान हैं ही, पुलिस की भी भागदौड़ बढ़ी हुई हैं। दोनों छात्राओं के सकुशल बरामद होने के बाद ही मामले की सारी स्थिति साफ हो सकेगी।

झज्जर। एबीआरसी व बीआरपी को संबोधित करते हुए प्रशिक्षक। फोटो : हरिभूमि

ओरिएंटेशन कार्यक्रम में सर्वेक्षण के लिए सेक्शन व विद्यार्थियों के चयन संबंधी दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

- एफएलएन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में यह अध्ययन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान माछरौली में फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी 2026 के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 21 फील्ड इन्वेस्टिगेटर के रूप एबीआरसी और बीआरपी ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डाइट प्राचार्य अनिल श्योराण ने की। इस सर्वेक्षण को पूर्ण निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ संपन्न किया जाए, ताकि सटीक आंकड़े एकत्रित हो सकें। इन आंकड़ों के आधार पर भविष्य में प्रभावी रणनीतियां तैयार की जा सकेंगी। उन्होंने सर्वेक्षण की महत्वता पर जोर देते हुए कहा कि एफएलएन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में यह अध्ययन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में जिला निपुण समन्वयक डॉ. सुदर्शन एवं भूपेंद्र रोज ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया। इस दौरान भूपेंद्र रोज ने जहां सर्वेक्षण के लिए सेक्शन एवं विद्यार्थियों का चयन कैसे करें, विद्यार्थी प्रश्नावली, शिक्षक प्रश्नावली एवं स्कूल प्रश्नावली को कैसे अपडेट करें, इसकी विस्तृत जानकारी दी, डॉ. सुदर्शन ने साक्षरता एवं अंकगणित आधारित दक्षताओं का आकलन कैसे किया जाए, इस पर गहन प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर संपर्क फाउंडेशन से अमित कुमार, डाइट से मनोज और राजीव देशवाल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

महिलाओं को किया अधिकारों के लिए जागरूक

झज्जर। डीएच लारेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन फॉर वूमेन द्वारा विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में गुढ़ा गांव की महिलाओं को उनके अधिकारों के लिए जागरुक किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर दीपिका ने महिलाओं के अधिकार, शिक्षा और समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। छात्राध्यापिकों ने भी महिलाओं के विकास पर अपने विचार प्रस्तुत किए। महिलाओं की शिक्षा, समानता व समाज के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा छात्राओं द्वारा भाषण व निबंध के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया गया।

एमडीयू ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम घोषित किए

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) ने सितंबर-दिसंबर 2025 में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। छात्र अपने परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो राहुल ऋषि ने बताया कि सितंबर-दिसंबर 2025 में आयोजित बीबीए के प्रथम सेमेस्टर (री-अपीयर) तथा तृतीय और पंचम सेमेस्टर (फुल व री-अपीयर), बीबीए (बीई), बीबीए (सीएएम) और बीबीए (आईआई) के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर (री-अपीयर) तथा पंचम सेमेस्टर (फुल व री-अपीयर) के परिणाम शामिल हैं। इसके अलावा बीएचएमसीटी के प्रथम, तृतीय, पंचम और सप्तम सेमेस्टर (फुल व री-अपीयर) के परिणाम भी घोषित किए गए हैं। एमकॉम (ऑनर्स) सातवें सेमेस्टर (फुल व री-अपीयर) तथा एमकॉम (ऑनर्स) पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स के नौवें सेमेस्टर (फुल व री-अपीयर) के परिणाम भी जारी किए हैं। इसके साथ ही चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम के अंतर्गत बीए-बीएड के दूसरे और चौथे सेमेस्टर तथा बीकॉम-बीएड के दूसरे सेमेस्टर के परिणाम भी घोषित किए गए हैं। वहीं विज्ञान संकाय के अंतर्गत एमएससी के कई विषयों के चौथे सेमेस्टर (री-अपीयर) के परिणाम भी जारी किए गए हैं। इनमें जेनेटिक्स, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री, बॉटनी, एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलॉजी, जूलॉजी, मैथमैटिक्स, कंप्यूटर साइंस, फिजिक्स, स्टैटिस्टिक्स, केमिस्ट्री और डेटा साइंस एंड मशीन लर्निंग सहित विभिन्न पाठ्यक्रम शामिल हैं।

सीए फाउंडेशन परीक्षा में एचडी विद्यालय के पांच विद्यार्थियों ने किया क्वालिफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को घोषित सीए फाउंडेशन के परीक्षा परिणामों में एचडी स्कूल साल्हावास के पांच विद्यार्थियों ने क्वालिफाई कर क्षेत्र संस्थान का नाम रोशन किया है। अर्थशास्त्र प्राध्यापिका प्रियंका जाखड़ ने बताया कि इस कठिन परीक्षा में उनके संस्थान से खुशी, शगुन, भावना, चेतन और विशाल ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि छात्रा शगुन इससे पहले यमुनानगर में आयोजित लीगल लिटरेसी की राज्य स्तरीय अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर चुकी है। इस उपलब्धि पर एचडी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा व हेमंत गुलिया तथा प्राचार्य सतबीर सिंह ने सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

झज्जर। सीएम फाउंडेशन परीक्षा की क्वालिफाइड छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को दी विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी

झज्जर। संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा में सोमवार को एक विशेष करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एक्सपर्ट टीम द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं और भविष्य की संभावनाओं बारे महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बताया कि आज के समय में केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक ही सीमित रहने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि विज्ञान, तकनीक, प्रबंधन, डिजाइन, मीडिया और अन्य कई क्षेत्रों में भी उज्ज्वल करियर बनाया जा सकता है। प्राचार्या श्वेता कौशिक ने कहा कि इस प्रकार के काउंसलिंग सत्र विद्यार्थियों को सही दिशा देने में बहुत सहायक होते हैं। उन्होंने छात्रों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जिलास्तरीय समाधान शिविर में शिकायतें सुनीं

झज्जर। सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निपटारा करते समय संबंधित नागरिक से संवाद अवश्य स्थापित करें तथा उन्हें विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई से अवगत कराएं। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि शिकायतों का स्थायी समाधान भी सुनिश्चित होगा और नागरिकों का प्रशासन पर विश्वास मजबूत होगा। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित केवल नौ शिकायतें दर्ज की गईं।

- संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के जल्द समाधान करने के निर्देश दिए

1255 हेक्टेयर क्षेत्र में मत्स्य पालन हो रहा

डीसी ने प्रोसेसिंग यूनिट लगाने व मत्स्य पालन बढ़ाने के दिए निर्देश

झज्जर। मत्स्य विभाग से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा करते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल। फोटो : हरिभूमि

ग्राम पंचायतों में ऐसी भूमि, जहां जलभराव की स्थिति बनी रहती है, वहां मत्स्य पालन की अपार संभावनाएं हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने जिला में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रोसेसिंग यूनिट लगाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में ऐसी भूमि, जहां जलभराव की स्थिति बनी रहती है, वहां मत्स्य पालन की अपार संभावनाएं हैं और इससे किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है। वहीं जिला मत्स्य अधिकारी अमित सिंह ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला में 1255 हेक्टेयर क्षेत्र में मत्स्य पालन हो रहा है। जिले में कुल 566 तालाब हैं और गत माह के दौरान 13 हजार 913 मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन दर्ज किया गया है।

ट्रक की टक्कर से कैंटर में लगी आग लाखों का माल गाड़ी सहित जला

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर रविवार की रात कैंटर के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे से आ रहे ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी। इससे कैंटर आगे चल रहे ट्रक से भी टकरा गई। हादसे बाद कैंटर में आग लग गई, जिससे उसमें रखा लाखों रुपये का लॉजिस्टिक का सामान गाड़ी समेत जलकर राख हो गया। हादसे के बाद हाइवे पर काफी देर तक यातायात बाधित रहा। रात को एक ट्रांसपोर्ट कंपनी की कैंटर गाड़ी लॉजिस्टिक का सामान भरकर जा रही थी। निखरी के पास उसके आगे चल रही कार के चालक ने अचानक ब्रेक लगाए, तो कैंटर चालक ने भी ब्रेक लगा दिए। कार तो तेजी से आगे निकल गई, लेकिन कैंटर को पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कैंटर आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। इसके बाद कैंटर गाड़ी में आग लग गई।

अवैध हथियार सहित युवक काबू

बहादुरगढ़। एसटीएफ बहादुरगढ़ यूनिट ने अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ सिटी थाने में केस दर्ज किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। बहादुरगढ़-नजफगढ़ रोड पर फ्लाईओवर पुल के नीचे से काबू किए गए आरोपी की पहचान सुमित तिवारी के रूप में हुई है।

सूचना

मैं, सतबीर (Satbir) पुत्र श्री हजारी लाल (Hajari Lal) निवासी नया गांव बरकताबाद (63), तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा-124507 बयान करता हूं कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम सत्यवीर सिंह (Satyaveer Singh) दर्ज है जो कि गलत है। मेरा सही नाम सतबीर (Satbir) है। सतबीर (Satbir) तथा सत्यवीर सिंह (Satyaveer Singh) ये दोनो नाम का एक ही व्यक्ति है और वह व्यक्ति मैं स्वयं हूं।

SAT KABIR COLLEGE OF LAW
VPO-LADRAWAN, BAHADURGARH, DISTT- JHAJJAR (HR)
Walk in Interview on 15.03.2026 at 9:00am
For the Following Posts:-
Principal, 1-Prof., 1 Asso. Prof., 6 Asstt. Prof. in Law, 1-Legal Eng., 1-Pol. Sci., 1-Eco Full time & visiting faculty as per norms.
Salary and Qualification as per MDU/BCI norms. Come with Original Documents, Passport Size Photo, PAN No., Aadhar Card. Submit resume on email i.e. satkabircollege@gmail.com or by hand for more information Contact at 09991187052.
Sd/- Dr. H.K.Chhillar, Chairman

महराना गांव में हुआ पशुपालकों के लिए डेयरी प्रशिक्षण गोष्ठी का आयोजन

वैज्ञानिक तरीके से डेयरी व्यवसाय करने के लिए प्रेरित किया

- पशुपालकों को खनिज मिश्रण वितरित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव महराना में लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय हिसार के पशुधन उत्पादन प्रबंधन विभाग और हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र लकड़िया के संयुक्त तत्वावधान में पशुपालकों के लिए डेयरी पालन विषय पर प्रशिक्षण गोष्ठी का आयोजन किया गया। भैंस नस्ल सुधार परियोजना के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में अनुसूचित जाति वर्ग के लाभार्थियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर विनोद कुमार वर्मा, पशुधन उत्पादन प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष डॉक्टर डीएस बिढान और हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय यादव ने पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय के संबंध में जानकारी दी। विशेषज्ञों ने पशुपालकों को वैज्ञानिक तरीके से डेयरी व्यवसाय करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों से पशुपालकों को पशुओं की बेहतर देखभाल, संतुलित आहार, स्वच्छ दूध उत्पादन तथा रोगों की रोकथाम संबंधी जानकारी मिलती है, जिससे दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ आय में भी वृद्धि संभव है। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक डॉ. दीपिन चंद्र यादव ने डेयरी पशुओं के वैज्ञानिक आवास, संतुलित आहार और प्रबंधन बारे जानकारी दी। पशुचिकित्सक डॉ. दिनेश गुलिया ने दुग्ध देने वाले पशुओं की साफ-सफाई और स्वच्छ दूध उत्पादन के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. निलेश सिंधु ने पशुओं में होने वाली प्रमुख बीमारियों, उनके लक्षण और नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी तथा नियमित टीकाकरण पर जोर दिया। इस दौरान पशुपालकों को खनिज मिश्रण भी वितरित किया गया। इस मौके पर डॉ. जितेंद्र, डॉ. पुष्पेंद्र, रमन और अजय सहित कई पशुपालक उपस्थित रहे।

झज्जर। गोष्ठी में पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय की जानकारी देते हुए विशेषज्ञ।

खबर संक्षेप

शास्त्री नगर के कमरे में मिला युवक का शव

बहादुरगढ़। नजफगढ़ रोड स्थित शास्त्री नगर में एक युवक कमरे में मृत मिला। मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि हो पाएगी। मृतक की पहचान करीब 24 वर्षीय मोहित वर्मा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, प्रवासी मूल का मोहित यहां शास्त्री नगर में रहता है। रविवार की शाम को वह कमरे में मृत मिला। सूचना पाकर सेक्टर-9 चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को नागरिक अस्पताल में ले जाया गया। शराब के अत्याधिक सेवन या किसी बीमारी से मौत की आशंका जताई जा रही है। असल पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो सकेगी। पुलिस ने फिलहाल घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की है।

23वां श्री बालाजी गुणगान महोत्सव 28 को

बहादुरगढ़। श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 23वें श्री बालाजी गुणगान महोत्सव का आयोजन शनिवार 28 मार्च को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए आनंद अग्रवाल ने बताया कि श्री बालाजी सेवा मंडल द्वारा राधे कृष्णा गार्डन में यह कार्यक्रम होगा। श्री रामकृष्ण संकीर्तन परिवार द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ शनिवार शाम किया जाएगा।

औद्योगिक क्षेत्रों को नियमित करने पर की चर्चा

बहादुरगढ़। जाखोदा स्थित बालाजी इंडस्ट्रीज एरिया में एसोसिएशन के पदाधिकारियों की एक बैठक हुई। बैठक में औद्योगिक विकास व प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के अनियमित औद्योगिक क्षेत्रों को नियमित करने के लिए बनाई गई पॉलिसी के तहत पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने के विषय पर चर्चा हुई। एसोसिएशन के संरक्षक नरदेव दहिया, प्रधान सुरेश दलाल, महासचिव सरदार अमरीक सिंह, सह सचिव दीपक गुप्ता, उपप्रधान सुशील पारीक, कोषाध्यक्ष राकेश गोयल, दीपक गुप्ता, गुलाब सैनी, कृष्ण सिंगला व हनुमान ओला आदि ने बताया कि सरकार की घोषणा के बाद क्षेत्र के उद्योगपतियों में उम्मीद जगी है। पॉलिसी के तहत पोर्टल शुरू होते ही बालाजी इंडस्ट्रियल एरिया को नियमित करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन कर दिया जाएगा। उम्मीद है कि सरकार से औपचारिक मान्यता मिलने के बाद यहां आधारभूत सुविधाओं में व्यापक सुधार संभव हो सकेगा।

प्रस्तावित अनाज गोदामों के निर्माण पर मंथन

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में भारत सरकार द्वारा प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों की भागीदारी के साथ अन्न भंडारण की महत्वाकांक्षी योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इस कार्य की नियमित मॉनिटरिंग और गति प्रदान करने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में योजना के तहत जिले में प्रस्तावित गोदामों के निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से फीडबैक लेते हुए कार्य की प्रगति सुनिश्चित करते हुए जल्द से जल्द डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर की 248 यूनिवर्सिटीज के 1600 मुक्केबाजों ने लिया भाग

अंतर विश्वविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में युवराज जाखड़ ने जीता गोल्ड मेडल

युवराज इससे पहले भी राज्य विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय स्तर पर कई बार अपना परचम लहरा चुके हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। होनहार मुक्केबाज युवराज जाखड़।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में 2 से 8 मार्च तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में एचडी स्कूल साल्हावास के पूर्व छात्र मुक्केबाज युवराज जाखड़ ने 85 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया है। एचडी स्कूल के डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर की 248 यूनिवर्सिटीज के लगभग 1600 मुक्केबाजों ने भाग लिया। युवराज इससे पहले भी राज्य, विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय स्तर पर कई बार अपना परचम लहरा चुके हैं। विद्यालय परिवार द्वारा 12 मार्च को विशेष सम्मान समारोह का आयोजन कर युवराज जाखड़ को सम्मानित किया जाएगा। इस उपलब्धि पर एचडी ग्रुप के सचिव विशाल नेहरा और हेमंत गुलिया ने युवराज व उनके भाई कोच राजेश जाखड़ को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी मुक्केबाजी में जिले के तीन खिलाड़ियों ने जीते पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। होनहार मुक्केबाज। फोटो : हरिभूमि

दो से आठ मार्च तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी मुक्केबाजी प्रतियोगिता में जिले के तीन मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीते हैं।

स्थानीय महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम के मुक्केबाजी कोच हितेश देशवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में 90 किलोग्राम वर्ग में जहां सागर नारा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता वहीं 50 किलोग्राम भार वर्ग में अभि धनखड़ व 70 किलोग्राम वर्ग में सचिन दलाल ने कांस्य पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि कोच हितेश देशवाल ने खेल प्रेमियों व अभिभावकों को बधाई देते हुए विजेता खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

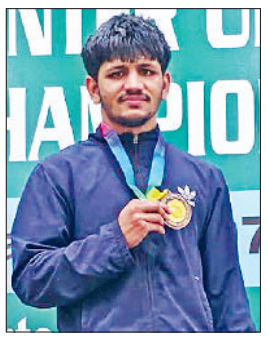

बहादुरगढ़। कांस्य पदक विजेता बॉक्सर सचिन दलाल।

मांडोठी के सचिन ने बॉक्सिंग में जीता कांस्य पदक

बहादुरगढ़। बॉक्सिंग के उभरते खलाड़ी सचिन दलाल ने हाल ही में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया है। विजेता खिलाड़ी का बहादुरगढ़ पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। मूल रूप से मांडोठी गांव निवासी सचिन दलाल के पिता बलराम दलाल उर्फ मिंटू वार्ड नंबर-26 के पार्षद हैं। कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में 2 से 7 मार्च तक सीनियर नेशनल इंटर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में देशभर की 242 यूनिवर्सिटी के हजारों खिलाड़ियों ने हिस्सा लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सचिन दलाल रोहतक के नेकी राम कॉलेज में बीसीए फाइनल इयर का विद्यार्थी है। उसने महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करते हुए 70 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। उसका चयन जल्द होने वाले खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए भी हुआ है। सचिन ने अपने कॉलेज और यूनिवर्सिटी के साथ ही गांव मांडोठी का भी खूब मान बढ़ाया है। सचिन ने अपनी इस जीत का श्रेय अपने पिता बलराम दलाल उर्फ मिंटू के साथ परिवार और कोच को दिया है। वह शहर की बीएसएम बॉक्सिंग एकेडमी में कोच गोविंद की देखरेख में बॉक्सिंग की प्रैक्टिस करता है। सचिन ने जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के प्रधान हितेश देशवाल का भी धन्यवाद किया है। इससे पहले सचिन स्कूल स्टेट गेम्स, आईपीएस गेम्स, नेशनल बॉक्सिंग गेम्स में भी मेडल हासिल कर चुका है। सचिन दलाल का अगला लक्ष्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक हासिल कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करना है।

बहादुरगढ़। हाफ मैराथन के विजेता एवं प्रतिभागी बीआरजी के सदस्य।

बीआरजी के धावकों ने हासिल की सफलता

बहादुरगढ़। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित पिंकाथॉन में भी बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन की उपस्थिति में हुए पिंकाथॉन में दीपक छिल्लर और डॉ. किरण छिल्लर एम्बेसडर के रूप में मौजूद रहे। इसके अलावा होंडा मानेसर हाफ मैराथन में बीआरजी के 80 धावकों ने भाग लिया। राजेश ने अपने जीवन की पहली हाफ मैराथन 1 घंटा 42 मिनट में पूरी की। महेंद्र ने 10 किलोमीटर की दौड़ मात्र 34 मिनट में पूरी कर चौथा स्थान प्राप्त किया। अमृत कौर ने भी 10 किलोमीटर दौड़ में चौथा स्थान हासिल किया। सुनील सिकरी ने 70 वर्ष से अधिक आयुवर्ग की 10 किलोमीटर दौड़ 1 घंटे में पूरी की। बसंत कुमार और महेश चंद ने 21 किलोमीटर हाफ मैराथन सफलतापूर्वक पूरी की। सत्यवान डागर ने 10 किलोमीटर में चौथा स्थान, धर्मवीर सैनी ने तीसरा स्थान, सनी ने भी तीसरा स्थान और धर्मवीर ने 7वां स्थान हासिल किया। नरेंद्र जांगड़ा ने पहला और रोहतास ने दूसरा स्थान पाया। संजू सैनी ने चिल्ड्रन कैटेगरी में तीसरा स्थान हासिल किया। बसंत सिंह, उरिरेई देवी, महेश चंद, कविता सिकरी, डॉ. संतोष कुमार, सुनील सिकरी, रचित दलाल, नितिन राणा, नवीन डाबास, कमल पराशर, रवि कुमार वशिष्ठ, हंसराज विजयरण, अभय श्रीवास्तव, रूपेश कुमार, मनोज शौकीन, सुमित, सनी, विजेंद्र कुमार, दीपक छिल्लर, किरण छिल्लर, पन्नेलाल यादव, अंकित राणा, पियूष राठी और सुरेश मेघवाल ने भी सफलतापूर्वक दौड़ पूरी की।

पार्क में मोबाइल टावर लगाने का विरोध

बहादुरगढ़। कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज ने एमआईई पार्ट-बी में स्थित एक पार्क में मोबाइल टावर लगाए जाने की गतिविधि को लेकर गहरी चिंता और नाराजगी व्यक्त की है। आसपास की उद्योग इकाइयों द्वारा इस टावर के विरोध में अपनी आपत्ति दर्ज करवाई गई है, लेकिन अभी तक उनकी चिंताओं पर कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई है। प्लॉट

- एमआईई पार्ट-बी में उद्योगपति लामबंद हुए, जताई नाराजगी

नंबर 1868–1869 के सामने स्थित पार्क/ग्रीन एरिया में एक मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी द्वारा टावर लगाने के लिए खुदाई का कार्य किया जा रहा है। कोबी अध्यक्ष प्रवीण गर्ग ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में बने पार्क और ग्रीन बेल्ट पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कोबी द्वारा उद्योगों के साथ मिलकर लगातार इन पार्कों के संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के प्रयास किए जाते हैं। लेकिन यदि इन्हीं पार्कों के बीच मोबाइल टावर स्थापित किए जाएंगे तो पार्कों का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। कोबी ने संबंधित विभागों और प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की तुरंत जांच की जाए। इस गतिविधि को तुरंत रोका जाए और पार्क क्षेत्र को उसके मूल उद्देश्य के अनुसार संरक्षित किया जाए।

बहादुरगढ़। आरोग्य मंदिर का शुभारंभ करते पार्षद व डॉक्टर्स। फोटो : हरिभूमि

घर के पास मिलेंगी स्वास्थ्य सेवाएं

आर्य नगर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

वार्ड-13 में आर्य नगर की गली नंबर-4 स्थित सामुदायिक भवन में सोमवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शुभारंभ किया गया। वार्ड के काफी लोगों ने कार्यक्रम में पहुंचकर अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ एसएमओ डॉ. मधुप सेठी, यूएनओ डॉ. सुंदरम कश्यप और यूएचसी के डॉ. गगन जैन ने किया।

इस दौरान डॉ. भारत आहूजा और डॉ. ममता भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ में फार्मासिस्ट विक्रांत, स्टाफ नर्स सोनिया, लैब टेक्नीशियन रेखा तथा एएनएम शुभलता ने अपनी सेवाएं दीं। एएनएम शुभलता ने टीकाकरण किया और आशा वर्कर्स ने कार्यक्रम में सहयोग दिया। पार्षद मोहित राठी ने कहा कि इस केंद्र के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को डेंगू व मलेरिया के उपचार सहित सभी जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगी। क्षेत्रवासियों के आशीर्वाद और सहयोग से ही यह कार्य संभव हो पाया है। एसएमओ डॉ. मधुप सेठी ने बताया कि समय-समय पर यहां मेगा हेल्थ कैंप भी लगाए जाएंगे। कंवर सिंह राणा, रामनिवास सैनी, उमेद लोहचब, अजीत राठी, अतर सिंह नांदल, अतर सिंह दलाल, राजेंद्र नूनवाल, बनवारी यादव, अशोक रुहिल, राजबीर दलाल, राजबीर सहरावत, सत्यदेव छिकारा, जगबीर दहिया, सतबीर दलाल, ओमप्रकाश गिल, दीवान सिंह, श्रीभगवान सहित अन्य इस अवसर पर मौजूद रहे।

गणित का पेपर देकर लौटे विद्यार्थियों के चेहरे पर दिखी मुस्कान

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा में आसान पेपर आने पर राहत की ली सांस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

सोमवार को सीबीएसई की 12वीं कक्षा का गणित विषय का बोर्ड परीक्षा पेपर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। परीक्षा समाप्त होने के बाद विद्यार्थियों के चेहरों पर राहत साफ दिखाई दी। लंबे समय से गणित के पेपर को लेकर छात्रों में तनाव था, लेकिन परीक्षा खत्म होते ही अधिकांश विद्यार्थियों ने राहत की सांस ली।

परीक्षा सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक आयोजित की गई। यह परीक्षा उन विद्यार्थियों के लिए विशेष महत्व रखती है जो आगे इंजीनियरिंग, अर्थशास्त्र, डेटा साइंस जैसे विषयों में कॅरियर बनाना चाहते हैं। परीक्षा केंद्रों से बाहर निकलते समय अधिकतर विद्यार्थियों ने कहा कि पेपर उम्मीद के मुताबिक था और अच्छी तैयारी करने वालों के लिए अंक लाने का अच्छा अवसर है।

कुछ छात्रों ने बताया कि पेपर लंबा होने के कारण समय प्रबंधन चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन कुल मिलाकर प्रश्नपत्र संतुलित था। अब गणित का पेपर समाप्त होने के बाद विद्यार्थियों का ध्यान आने वाली अन्य विषयों की परीक्षाओं पर केंद्रित हो गया है।

बहादुरगढ़। पेपर देने के बाद परीक्षा केंद्र से बाहर निकलते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित था पेपर

गणित के अध्यापक मोहित अरोड़ा के अनुसार इस वर्ष का प्रश्नपत्र कुल मिलाकर सरल से मध्यम स्तर का रहा। पेपर का अधिकांश भाग एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित था। इसलिए जिन विद्यार्थियों ने नियमित रूप से अभ्यास किया था, उन्हें प्रश्न हल करने में अधिक कठिनाई नहीं हुई। प्रश्नपत्र में बहुविकल्पीय प्रश्नों के साथ लघु, दीर्घ तथा केस-स्टडी आधारित प्रश्न शामिल थे। मैट्रिसेस, डिटरमिनेंट, डिफरेंशियल इक्वेशन और इंटीग्रेशन जैसे प्रमुख अध्यायों से सवाल पूछे गए। कुछ बच्चों को इंटीग्रेशन और कुछ केस-स्टडी आधारित प्रश्नों को हल करने में ज्यादा समय लगा। फिर भी अच्छी तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए पेपर स्कोरिंग माना जा रहा है।

झज्जर। सिविल सर्विस में चयनित अभ्यर्थियों को सम्मानित करते हुए डीसी।

युवाओं के लिए प्रेरणा बनें यूपीएससी में सफल अभ्यर्थी : डीसी

झज्जर। यूपीएससी द्वारा घोषित सिविल सेवा परीक्षा-2025 के परिणाम में जिला झज्जर के अभ्यर्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित कार्यालय में जिले के सफल अभ्यर्थियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि सिविल सेवक सरकार की नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। मौके पर एडीसी जगनिवास, एसडीएम अंकित कुमार चौकसे, एसडीएम अभिनव सिवाच, एसडीएम रेणुका नांदल, एसडीएम डॉक्टर रमन गुप्ता, सीटीएम नमिता कुमारी, डीआईपीआरओ सतीश कुमार तथा सफल अभ्यर्थियों के अभिभावक उपस्थित रहे।

बेटियां हर क्षेत्र में कर रहीं नाम रोशन

- यूपीएससी में उत्तीर्ण हुई गांव खेड़ी सुल्तान की बेटी शीतल चौहान व उसके माता पिता का किया सम्मान

झज्जर। सोमवार को अनाज मंडी एसोसिएशन के प्रधान और पूर्व जिला पार्षद हरेंद्र सिलाना ने यूपीएससी में उत्तीर्ण हुई गांव खेड़ी सुल्तान निवासी शीतल चौहान व उसके अभिभावकों को शॉल ओढ़ा कर और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। हरेंद्र सिलाना ने कहा कि हमारी बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। बेटियां सभी क्षेत्रों में अपने अभिभावकों, गांव, क्षेत्र व जिले का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गौरव की बात है कि सामान्य पृष्ठभूमि से संबंध रखने वाली बेटी ने देश की प्रतिष्ठित अखिल भारतीय सिविल सेवा परीक्षा को उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प के बल पर बेटी ने यह उपलब्धि हासिल की है। बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना हमारा कर्तव्य है।

झज्जर। होनहार बेटी शीतल और उसके अभिभावकों को सम्मानित करते हुए हरेंद्र सिलाना।

रूचि व योग्यता के आधार पर विषयों का चयन करें विद्यार्थी : डॉ. महिपाल

- संस्कारम स्कूल खातीवास में सोमवार को करियर काउंसलिंग और स्ट्रीम सिलेक्शन सत्र का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वक्ता। फोटो : हरिभूमि

संस्कारम स्कूल खातीवास में सोमवार को करियर काउंसलिंग और स्ट्रीम सिलेक्शन सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बोर्ड परीक्षाओं के बाद विद्यार्थियों के मन में करियर और विषयों के चुनाव को लेकर उठने वाली शंकाओं को दूर करना रहा। सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को एक विस्तृत रोडमैप प्रदान किया, जिसमें आईआईटी-जेईई और नीट जैसी कठिन परीक्षाओं की तैयारी से लेकर क्लैट, सीए और रक्षा सेवाओं में करियर बनाने के सुनहरे अवसरों पर प्रकाश डाला गया। संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने कहा कि विद्यार्थियों को भेड़चाल का हिस्सा बनने के बजाय अपनी रुचि, योग्यता और जुनून के आधार पर ही विषयों का चयन करना चाहिए। क्योंकि आज लिया गया एक सही निर्णय ही उनके आने वाले 50 वर्षों के सुखद भविष्य की मजबूत नींव रखेगा। उनके संस्थान का लक्ष्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं, सिविल सेवा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक वैश्विक चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से तैयार करना है।

गर्मी कमें हर साल नहर में मिलते हैं कई शव, बहाव तेज होने से खोते हैं नियंत्रण

एनसीआर माइनर में नहाना जान को जोखिम में डालना

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

इलाके से गुजर रही एनसीआर माइनर में नहाना प्राणों को जोखिम में डालने जैसा है। गर्मी से राहत पाने के लिए इस माइनर में डुबकी लगाने वाले लोग अक्सर अपने जीवन को खो बैठते हैं। हर साल गर्मी के मौसम में इस माइनर में कई लोगों की जान चली जाती है। इसके बावजूद लोग बाज नहीं आते।

दरअसल, बहादुरगढ़ व बादली क्षेत्र के कई गांवों से होकर गुजरने वाली एनसीआर माइनर में पानी का बहाव काफी तेज रहता है और इसकी गहराई भी अधिक है। ऐसे में जरा सी लापरवाही होने पर व्यक्ति पानी में नियंत्रण खो देता है और फिर बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। कई मामलों में तो डूबने वाले व्यक्ति का शव भी कई-कई दिनों बाद मिलता है। हाल ही में दुल्हेंडी की शाम को माइनर में डूबे युवक चंदन का शव चौथे दिन शनिवार को बरामद हुआ।

इस घटना के बाद क्षेत्र में फिर से माइनर में नहाने के खतरे को लेकर चर्चा तेज हो गई है। प्रशासन और पुलिस की ओर से माइनर में नहाने पर रोक लगाई गई है। इसके लिए चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए, लेकिन इसके बावजूद लोग लापरवाही बरतते हुए माइनर में उतर जाते हैं। यही लापरवाही अक्सर हादसों का कारण बनती है।

बहादुरगढ़। माइनर में सर्च अभियान चलाती बोटिंग टीम। फोटो : हरिभूमि

माइनर पर लगातार रखी जाएगी निगरानी

हर साल बहादुरगढ़-बादली में आधा दर्जन से अधिक लोगों के शव इस माइनर से बरामद हो जाते हैं। कई बार तो यह आंकड़ा इससे कहीं अधिक बढ़ जाता है। माइनर में पीछे के क्षेत्रों से बहकर भी शव आ जाते हैं, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। शव को तलाशने में पुलिस व गोताखोरों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। अहम बात ये कि माइनर में डूबने वालों में ज्यादातर लोग प्रवासी रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे माइनर में नहाने से बचें और अपने जीवन को जोखिम में न डालें। पुलिस का कहना है कि माइनर पर लगातार निगरानी रखी जाएगी और यदि कोई व्यक्ति नहाता हुआ मिला तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।